नईदुनिया

भारत-नेपाल में बाढ़ की आशंका

अल नीनो से हिमालय में बढ़ेगा भूस्खलन और हिमस्खलन का खतरा

अफगानिस्तान और बांग्लादेश में भी सामान्य से अधिक बारिश और कड़ाके की ठंड का अनुमान



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः अल नीनो के मजबूत होने से हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में इस सर्दी सामान्य से अधिक बारिश और बर्फबारी होने का अनुमान है। इसके कारण भारत और नेपाल के कुछ हिस्सों में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। वहीं, नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और हिमस्खलन की आशंका भी जताई गई है। अफगानिस्तान और बांग्लादेश में भी सामान्य से अधिक बारिश और ठंड पड़ने का अनुमान है।

काठमांडू स्थित अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (आईसीआईएमओडी) ने बीजिंग सामान्य विश्वविद्यालय और चीनी विज्ञान अकादमी के वायुमंडलीय भौतिकी संस्थान के साथ मिलकर हिंदूकुश हिमालय शीतकालीन पूर्वानुमान 2026 तैयार किया है। इसमें क्षेत्र के मौसम और संभावित प्राकृतिक आपदाओं को लेकर चेतावनी दी गई है। अमेरिका के राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन के अनुसार, अल नीनो इस समय मजबूत से अत्यधिक मजबूत स्थिति में है। वर्ष 1950 में इसके अभिलेख रखे जाने के बाद इसके सबसे शक्तिशाली रूप लेने की संभावना लगभग 60 प्रतिशत जताई गई है।

ज्यादा बर्फबारी से बढ़ सकती हैं प्राकृतिक आपदाएं

रिपोर्ट के अनुसार, अल नीनो के प्रभाव से हिमालय की तलहटी में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है, जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी बढ़ने की आशंका है। इससे नदियों में जलस्तर बढ़ने के साथ पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। दूसरी ओर, क्षेत्र के कुछ हिस्सों में सूखे की स्थिति बनने और जंगलों में आग लगने की आशंका भी जताई गई है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, उत्तर भारत और नेपाल के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक गहरी बर्फ जमने का अनुमान है। इसके विपरीत भूटान और चीन के पूर्वी शिजांग के कुछ इलाकों में बर्फ की परत सामान्य से कम गहरी रह सकती है। यह पूर्वानुमान नेपाल और भूटान में मानसून के दौरान हुई विनाशकारी घटनाओं के बाद आया है। रिपोर्ट में पहाड़ी क्षेत्रों के हिमनदों और स्थायी रूप से जमी भूमि में बदलाव से जुड़ी आपदाओं का भी उल्लेख किया गया है। अगस्त में नेपाल में आई भोटेकोशी बाढ़ का उदाहरण देते हुए रिपोर्ट में भारी नुकसान का जिक्र किया गया है।

दिल्ली में भारी वाहनों की एंट्री खत्म करने की तैयारी

- **सुप्रीम कोर्ट ने सुझाया पांच साल का रास्ता, पंजाब, हरियाणा, यूपी, राजस्थान और दिल्ली से मांगा जवाब**

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने भारी व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही कम करने की दिशा में दीर्घकालिक योजना बनाने का सुझाव दिया है। सोमवार को प्रदूषण से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि भले ही इस वर्ष दिल्ली में भारी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाना संभव नहीं हो, लेकिन अगले पांच वर्षों में ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर विचार किया जा सकता है, जिससे भारी वाहनों की दिल्ली में आवाजाही समाप्त की जा सके।

सुनवाई के दौरान अदालत ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली से प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी मांगी। इन राज्यों के महाधिवक्ताओं को अगली सुनवाई में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। अदालत ने संबंधित एजेंसियों से यह भी बताने को कहा कि अब तक किए गए उपायों का जमीन पर कितना असर हुआ है।

भारी वाहनों की संख्या में 30 प्रतिशत कमी

सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क लगाए जाने की अनुमति मिलने के बाद दिल्ली में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों की संख्या में लगभग 30 प्रतिशत की कमी आई है। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वाहनों पर व्यापक प्रतिबंध लगाने से दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। दिल्ली में सब्जियों, खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखना भी जरूरी है। अदालत ने भारी व्यावसायिक वाहनों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था तलाशने का सुझाव दिया। इसमें बैटरी से चलने वाले वाहनों का उपयोग और दिल्ली की सीमाओं पर भंडारण केंद्र बनाने जैसे विकल्प शामिल हैं। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से बाहर से आने वाले माल को छोटे वाहनों के जरिए शहर तक पहुंचाया जा सकता है।

एशिया में बढ़ा भारत का दबदबा तीसरे स्थान पर बरकरार

- **ऑस्ट्रेलिया के लोवी संस्थान की रिपोर्ट में खुलासा**
- **अमेरिका पहले और चीन दूसरे स्थान पर कूटनीतिक और सांस्कृतिक प्रभाव में भारत की स्थिति मजबूत**



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः एशिया में भारत का क्षेत्रीय प्रभाव लगातार मजबूत हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया के लोवी संस्थान की एशिया शक्ति सूचकांक 2026 की रिपोर्ट में भारत को एशिया का तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2026 में भारत का कुल शक्ति स्कोर बढ़कर 40.5 अंक हो गया है। इस सूची में अमेरिका पहले और चीन दूसरे स्थान पर है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की स्थिति मजबूत होने में कूटनीतिक प्रभाव, रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक पहुंच और भविष्य के संसाधनों में सुधार की अहम भूमिका रही है। हालांकि, आर्थिक क्षमता के क्षेत्र में भारत के प्रदर्शन में गिरावट दर्ज की गई है। इस श्रेणी में उसका स्कोर घटकर 26.4 अंक रह गया, लेकिन वह तीसरे स्थान पर बना हुआ है। रिपोर्ट में कूटनीतिक प्रभाव को भारत का सबसे मजबूत पक्ष बताया गया है। इस श्रेणी में भारत को 70.3 अंक मिले हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के क्षेत्रीय नेतृत्व के आकलन में भी सुधार हुआ है। वह तीन स्थान ऊपर पहुंचकर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद एशिया के दूसरे सबसे प्रभावशाली क्षेत्रीय नेता बन गए हैं। भारत के आर्थिक संबंधों में भी सुधार हुआ है। इस श्रेणी में भारत दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंचा है। क्षेत्रीय व्यापार और निवेश संबंधों में स्थिरता से उसे लाभ मिला है।

रक्षा और सांस्कृतिक प्रभाव में भी सुधार

भारत का रक्षा सहयोग नेटवर्क स्कोर बढ़कर 18.6 अंक हो गया है। इस श्रेणी में भारत नौवें स्थान पर है। दक्षिण-पूर्व एशिया में ब्रह्मोस मिसाइलों की बिक्री और क्षेत्रीय रक्षा सहयोग में बढ़ोतरी को इसकी प्रमुख वजह माना गया है। वहीं, भारत का सांस्कृतिक प्रभाव स्कोर बढ़कर 43.8 अंक हो गया है। सांस्कृतिक पहुंच, जनसंपर्क और लोगों के बीच संपर्क के क्षेत्र में सुधार दर्ज किया गया है। भविष्य के संसाधनों का स्कोर भी बढ़कर 56.2 अंक पहुंच गया है।

रिपोर्ट में भारत की आर्थिक क्षमता में गिरावट के लिए कमजोर रुपये और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की अर्थव्यवस्थाओं के आकलन की बदली पद्धति को जिम्मेदार बताया गया है। विदेशों में भारत के निवेश में लगभग 20 अरब डॉलर की कमी का भी असर पड़ा है। इसके बावजूद भारत के उपलब्ध संसाधनों और क्षेत्रीय प्रभाव के बीच अंतर कम हुआ है।

चीन से बांग्लादेश जा रहा था मिसाइल बनाने का कच्चा माल, इंडोनेशियाई नौसेना ने पकड़ा संदिग्ध जहाज

जहाज से 405 टन सोडियम परक्लोरेट और लाखों बिना पंजीकरण वाले सिम कार्ड बरामद



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः चीन से बांग्लादेश भेजी जा रही एक बड़ी संदिग्ध खेप को इंडोनेशियाई नौसेना ने समुद्र में रोककर जब्त कर लिया है। जहाज से 405 टन सोडियम परक्लोरेट बरामद हुआ है। इस रसायन का इस्तेमाल रॉकेट और मिसाइलों में उपयोग होने वाला ईंधन तैयार करने के लिए किया जाता है।

इसके अलावा जहाज से लाखों ऐसे सिम कार्ड भी मिले हैं, जिनका पंजीकरण नहीं कराया गया था। इस बरामदगी के बाद खेप के वास्तविक उद्देश्य और इसके खरीदार को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। 23 नवंबर की एक रिपोर्ट के अनुसार, कोमोरोस के ध्वज वाला जहाज एमवी स्टार लाइन्स चीन के लियानयुंगांग बंदरगाह से बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह जा रहा था। इंडोनेशिया की नौसेना ने सात नवंबर को उत्तरी सुमात्रा के बेलावन समुद्री क्षेत्र के पास इसे रोक लिया। जहाज को आठ नवंबर को बांग्लादेश पहुंचना था।

नौसेना ने जहाज के कुल 36 कंटेनरों की जांच की। इनमें से 15 कंटेनरों में 405 टन सोडियम परक्लोरेट मिला। इसके अतिरिक्त 54 पट्टों में लाखों खाली चौथी पीढ़ी के दूरसंचार सिम कार्ड बरामद किए गए। नौसेना के एक कमांडर के अनुसार, जब्त रसायन से लगभग 100 मिसाइलों के लिए प्रणोदक तैयार किया जा सकता है। हालांकि, यह रसायन अपने आप में विस्फोटक नहीं है, बल्कि इसका इस्तेमाल रॉकेट और मिसाइलों के लिए ईंधन तैयार करने में होता है।

संदिग्ध गतिविधियों के बाद रोका जहाज

रिपोर्ट के मुताबिक, जहाज की गतिविधियां संदिग्ध दिखाई देने के बाद नौसेना ने कार्रवाई की। जहाज ने बेलावन के समुद्री क्षेत्र में बिना निर्धारित कार्यक्रम के ठहराव किया था। गश्ती जहाज केआरआइ सिगालु-857 ने उससे रेडियो के माध्यम से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन चालक दल की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। जांच में यह भी सामने आया कि जहाज ने यात्रा के दौरान अपनी स्वचालित पहचान प्रणाली बंद कर दी थी। इस प्रणाली के माध्यम से समुद्र में जहाजों की स्थिति और पहचान की जानकारी मिलती है।

खेप के खरीदार की पहचान में जुटी नौसेना

बांग्लादेश में गोला-बारूद और छोटे हथियार बनाने का सैन्य उद्योग मौजूद है, लेकिन वहां रॉकेट और मिसाइल निर्माण के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचे की कमी बताई गई है। ऐसे में इतनी बड़ी मात्रा में रसायन भेजे जाने के उद्देश्य पर सवाल उठ रहे हैं। जहाज के पंजीकरण दस्तावेजों में भी गड़बड़ियां मिली हैं। इंडोनेशियाई नौसेना अब जहाज के मालिक, सामान भेजने वाली कंपनी और बांग्लादेश में इसके खरीदार की पहचान करने में जुटी है। इस मामले में मोंगला बंदरगाह की भूमिका भी चर्चा में है। यह बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। चीन ने जून 2026 में इसके पास 110 एकड़ भूमि पर आर्थिक क्षेत्र विकसित करने के लिए समझौता किया था। इसके अलावा बंदरगाह के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए लगभग 336 मिलियन डॉलर का ऋण भी दिया है।

लीबिया के तट के पास यूक्रेन ने रूसी युद्धपोत डुबाने का किया दावा, सात समुद्री मानवरहित यानों से हमला

- **राष्ट्रपति जेलेंस्की ने हमले की पुष्टि की**
- **लीबिया के पूर्वी प्रशासन ने संयुक्त राष्ट्र से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की**



कीव, एजेंसीः रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का असर अब भूमध्यसागर तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। यूक्रेन ने अफ्रीकी देश लीबिया के तट के पास रूसी नौसेना के युद्धपोत मर्क्युरी को समुद्री मानवरहित यानों से निशाना बनाकर डुबोने का दावा किया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। उनके अनुसार, इस अभियान में यूक्रेन में निर्मित सात समुद्री मानवरहित यानों का इस्तेमाल किया गया। हमले में रूसी सैन्य हेलीकॉप्टर कामोव केए-27 को भी नष्ट करने का दावा किया गया है।

जेलेंस्की ने बताया कि रूसी मालवाहक जहाज एमवी अंगारा को भी निशाना बनाया गया। इस जहाज का इस्तेमाल हथियारों की ढुलाई के लिए किया जा रहा था। यह अभियान यूक्रेन के मुख्य युद्धक्षेत्र से लगभग 2,400 किलोमीटर दूर चलाया गया।

हमले के बाद सामने आई उपग्रह तस्वीरों में युद्धपोत मर्क्युरी पानी में डूबा दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने विस्फोटों की आवाजें सुनने की जानकारी दी। इसके बाद लीबिया की नागरिक सुरक्षा टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम किया। बताया गया है कि रूसी युद्धपोत लीबिया के पूर्वी हिस्से में स्थित एक नौसैनिक अड्डे पर खड़ा था। वह वहां ईंधन और अन्य आवश्यक सामग्री लेने पहुंचा था। मर्क्युरी रूस के नए युद्धपोतों में शामिल था। वर्ष 2019 में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसके निर्माण से जुड़े पोत निर्माण केंद्र का दौरा किया था। रूस ने अब तक इस हमले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

चक्रवात अकवान कमजोर पड़ा, ओडिशा में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

नईदुनिया ब्यूरो, भुवनेश्वरः चक्रवात अकवान कमजोर पड़ गया है, लेकिन इसके प्रभाव से ओडिशा के कई जिलों में भारी बारिश और जलभराव की स्थिति बनी हुई है। शुक्रवार को चक्रवात के प्रभाव को देखते हुए राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश हुई। इससे निचले इलाकों में पानी भर गया और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मौसम संबंधी परिस्थितियों में बदलाव के साथ चक्रवात की तीव्रता में कमी आई है। इसके कमजोर होकर गहरे दबाव के क्षेत्र में बदलने से बारिश की गति भी कम हुई। शनिवार को राज्य के कई हिस्सों में शुक्रवार की तुलना में कम वर्षा दर्ज की गई।

गरीबी का मतलब सिर्फ कम आमदनी नहीं सुरक्षित घर और इलाज भी जरूरीःनिर्मला

- **विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देकर बताया, 2011 से 2023 के बीच करीब 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए**

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि गरीबी का आकलन केवल आमदनी या मजदूरी के आधार पर नहीं किया जा सकता। सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई और स्वास्थ्य सुविधाएं भी जीवन की बुनियादी जरूरतें हैं।

इनके अभाव में परिवार आर्थिक रूप से कमजोर बना रहता है। उन्होंने विश्व बैंक की भारत में गरीबी और समानता पर जारी ताजा रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2011 से 2023 के बीच करीब 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए हैं और अत्यधिक गरीबी लगभग समाप्त हो गई है। सीतारमण ने सोमवार को सामाजिक माध्यम लिंक्डइन पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि आमदनी बढ़ने के बावजूद परिवार आर्थिक संकट में फंस सकता है। यदि परिवार का कोई सदस्य गंभीर रूप से बीमार पड़ जाए तो उसकी पूरी बचत इलाज में खर्च हो सकती है और उसे दोबारा गरीबी का सामना करना पड़ सकता है।

वित्त मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद छह दशक से अधिक समय तक गरीबी उन्मूलन देश के सामने बड़ी चुनौती बना रहा। वर्ष 2010 के शुरुआती वर्षों में भारत स्वच्छता, पोषण, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन और बैंकिंग सुविधाओं के मामले में पिछड़ा हुआ था। उस समय यह धारणा थी कि गरीबों को आर्थिक सहायता देने मात्र से उनकी सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इसके बजाय परिवारों की अलग-अलग जरूरतों और कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने पर ध्यान दिया। विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंदों तक सुविधाएं पहुंचाने और उनके परिणामों का आकलन करने की व्यवस्था विकसित की गई। सीतारमण के अनुसार, गरीबी दूर करने के लिए कोई जादुई उपाय नहीं है।

दुष्कर्म के मामलों में झूठे आरोपों से बचाव भी हो

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश आदर्श कुमार गोयल ने कहा है कि दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों के लिए कठोर सजा का प्रावधान जरूरी है, लेकिन कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए भी प्रभावी कानूनी सुरक्षा होनी चाहिए। किसी निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ झूठा आपराधिक मामला दर्ज होने पर उसका पूरा जीवन प्रभावित हो सकता है। न्यायमूर्ति गोयल ने रविवार को नई दिल्ली स्थित ओपी जिंदल सभागार में आयोजित एकम न्याय सम्मेलन 2026 के दूसरे संस्करण में यह बात कही। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होते ही उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा, परिवार, व्यवसाय और भविष्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

रिपोर्ट *कंपनी और अमेरिका दोनों के हित में होगा फैसला*

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं जेन्सन हुआंग की एनवीडिया में वापसी



वॉशिंगटन, एजेंसीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि दुनिया की प्रमुख चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सन हुआंग एक बार फिर अपने पद पर लौटें। ट्रंप ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्हें उम्मीद है कि कंपनी का निदेशक मंडल हुआंग को दोबारा जिम्मेदारी सौंपेगा। उनका मानना है कि यह फैसला कंपनी और अमेरिका, दोनों के हित में होगा। हुआंग ने 12 नवंबर को एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद से इस्तीफा दे दिया था। यह फैसला चीनी कारोबारी महिला एलिस हुआंग के साथ उनके कथित संबंधों की खबरें सामने आने के बाद हुआ था। उन्होंने इन संबंधों को स्वीकार करते हुए अपनी पत्नी और बच्चों से माफी भी मांगी थी।

चीनी खुफिया एजेंसी से महिला के संपर्क की जांच

न्यूयॉर्क टाइम्स की रविवार को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, एलिस हुआंग पिछले एक वर्ष से चीन की खुफिया एजेंसी के एक अधिकारी के संपर्क में थी। यह दावा अमेरिकी खुफिया विभाग की रिपोर्टों से परिचित लोगों के हवाले से किया गया है। रिपोर्ट में एलिस के कारोबारी साझेदार कांग वेई का भी उल्लेख है। बताया गया है कि उसके भी चीन की खुफिया एजेंसी के साथ काम करने के प्रमाण मिले हैं। कांग को कई बार एलिस का पति बताकर पेश किया जाता था। अमेरिकी अधिकारियों को संदेह है कि एलिस के माध्यम से चीन एनवीडिया की उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता चिप और कंपनी से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल करने का प्रयास कर रहा था। हालांकि, अभी तक एलिस के जासूस होने की पुष्टि नहीं हुई है। मामले की जांच जारी है।

संसद की तीन समितियों के सामने पेश होंगे हुआंग

अमेरिका के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक जे क्लेटन ने कहा है कि एलिस और उसकी कंपनी मेगास्पीड की जांच की जा रही है। जांच आगे बढ़ने के साथ इस मामले में और जानकारी सामने आएगी। जेन्सन हुआंग एक दिसंबर को अमेरिकी संसद की तीन समितियों के सामने बंद कमरे में पूछताछ के लिए पेश होंगे। उनसे चीन को उन्नत चिप की आपूर्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे।

कंपनी का निदेशक मंडल वापसी के पक्ष में नहीं

हुआंग ने 17 नवंबर को अपने बयान में दोबारा मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा था कि यदि निदेशक मंडल उनकी वापसी को कंपनी और अमेरिका के हित में मानता है, तो वह जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। हालांकि, एनवीडिया के निदेशक मंडल ने उनकी वापसी की संभावना से इनकार किया है। कंपनी के अध्यक्ष हार्वे जोन्स ने कहा कि मंडल ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और उन्हें दोबारा पद पर लाने की कोई योजना नहीं है। फिलहाल कंपनी की वित्त प्रमुख कोलेट क्रेस अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।